• कविताएं...

अब तो जागो भोर हुई

सोये बहुत रात को बेटा
अब तो जागो भोर हुई
छोड़ो गददा गरम रजाई
देखो कितनी देर हुई
बाहर अच्छी धूप खिली है
कुल्ला मंजन कर लो तुम
होमवर्क भी कर लो थोड़ा
पाठ याद भी कर लो तुम
सुबह-सुबह यदि पढ़ते है तो
याद तुरंत हो जाता है
जब होती है कभी परीक्षा
याद सभी हो जाता है
देखो चिड़ियां डाली-डाली
चुह-चुह करती फुदक रहीं
चढ़ती और उतरती देखो
गिलहरियां भी घूम रहीं

आंख मिचौनी

खेले आंख-मिचौनी आओ,
प्यारे बच्चों सब आ जाओ।
भैया आओ, मुनिया आओ,
बंटी, पप्पू तुम भी आओ।
भैया कि आंखों पर पट्टी,
बांधें आओ, तुम सब आओ।
यह सबको छूने आएगा
हम सब भागें जल्दी आओ।
खेले आंख-मिचौनी आओ,
खेले आंख-मिचौनी आओ।

■ सरोजिनी कुलश्रेष्ठ

• चुटकुले...

मास्टर जी : पप्पू, बताओ 'बीबी' और 'टीबी' में क्या फर्क है?

पप्पू : मास्टर जी, टीबी का इलाज मुमकिन है, पर बीबी का नहीं!

मास्टर जी अभी तक बेहोश हैं...

बॉस : हमें अपनी कंपनी के लिए एक बहुत ही जिम्मेदार व्यक्ति चाहिए।

उम्मीदवार : सर, मुझसे ज्यादा जिम्मेदार आपको कोई नहीं मिलेगा।

बॉस : वो कैसे?

उम्मीदवार : पिछली कंपनी में जब भी कोई काम बिगड़ता था, तो सब यही कहते थे कि इसके लिए मैं ही जिम्मेदार हूं!

• जानकारी...

सबसे ज्यादा ईमानदार देश

भ्रष्टाचार किसी भी देश की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा होता है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने दुनिया भर के देशों में भ्रष्टाचार की स्थिति बताने वाला ग्लोबल करप्शन इंडेक्स 2025 जारी किया है। इस रिपोर्ट के आंकड़े काफी चौंकाने वाले हैं, जहां अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों की रैंकिंग गिरी है, वहीं भारत ने अपनी स्थिति में थोड़ा सुधार किया है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के फरवरी 2026 में जारी लेटेस्ट करप्शन परसेप्शन इंडेक्स ने एक बार फिर से इस बात पर रोशनी डाली है कि आखिर कौन सा देश सबसे ज्यादा ईमानदार है। आइए जानते हैं कि इस लिस्ट में भारत और पाकिस्तान किस पायदान पर आते हैं।

⏩ **दुनिया का सबसे ईमानदार देश**-लगातार आठवें साल डेनमार्क ने दुनिया के सबसे कम करप्ट देश के तौर पर टॉप पोजीशन को हासिल किया है। 100 में से 89 के शानदार स्कोर के साथ डेनमार्क मजबूत इंस्टीट्यूशन, ट्रांसपेरेंट, गवर्नेंस और पब्लिक सेक्टर में करप्शन के कम लेवल की वजह से ग्लोबल रैंकिंग में टॉप पर बना हुआ है। डेनमार्क के ठीक पीछे फिनलैंड है जो 88 के स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर है। इसके बाद सिंगापुर आता है, जिसका स्कोर 84 है और यह तीसरे नंबर पर है। इन देशों ने असरदार कानून के राज और सख्त एंटी करप्शन फ्रेमवर्क के लिए बड़े पैमाने पर पहचान हासिल की है।

⏩ **भारत की जगह** -इस रैंकिंग में भारत 182 देशों में 39 स्कोर के साथ 91वें नंबर पर है। यह पिछले साल की तुलना में पांच जगह की बढ़त दिखता है। उस वक्त भारत 96वें नंबर पर था। हालांकि भारत का स्कोर ग्लोबल एवरेज 42 से नीचे बना हुआ है। यह पब्लिक सिस्टम में करप्शन को दूर करने में चल रही चुनौतियों को दिखाता है।

⏩ **पाकिस्तान की रैंकिंग** -इसी बीच पाकिस्तान 28 स्कोर के साथ 136वें नंबर पर है। देश पिछले साल की तुलना में एक नंबर नीचे खिसक गया है। यह गवर्नेंस स्ट्रक्चर में ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी को लेकर लगातार चिंताओं को दिखा रहा है।

⏩ **साउथ एशिया की तुलना** -साउथ एशिया में भूटान इस इलाके का सबसे ईमानदार देश है। यह ग्लोबल लेवल पर 18वें नंबर पर है। इसकी तुलना में चीन 73वें नंबर पर है और बांग्लादेश काफी नीचे 150वें नंबर पर है। यह अंतर पड़ोसी देशों में इंस्टीट्यूशन ताकत और एंटी करप्शन इफेक्टिवनेस के अलग-अलग लेवल को दिखाते हैं।

⏩ **दुनिया के सबसे भ्रष्ट देश** -इस लिस्ट में सबसे नीचे सोमालिया और साउथ सूडान हैं। इन्हें रैंकिंग में 100 में से सिर्फ 9 अंक मिले हैं। इन देशों को गंभीर गवर्नेंस संकट, अस्थिरता और कमजोर संस्थागत ढांचे का सामना करना पड़ रहा है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की घटनाओं को नहीं मापता। यह पब्लिक सेक्टर के भ्रष्टाचार के बारे में एक्सपर्ट और बिजनेस की सोच को दिखाता है। ज्यादा स्कोर का मतलब होता है संस्थान मजबूत है, ट्रांसपेरेंसी बेहतर है और जवाबदेही ज्यादा है।

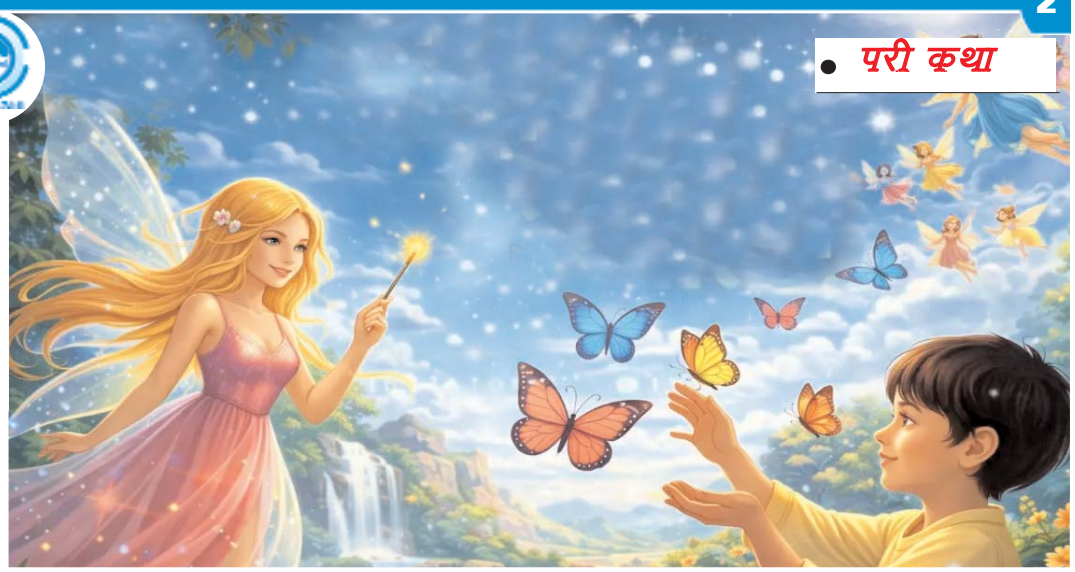

• परी कथा

परियां बनी तितलियां

एक बार की बात है। परिस्तान की सात सुंदर परियाँ धरती की सैर पर निकलीं। परिस्तान एक ऐसा स्थान है जहाँ केवल परियाँ, जादू और खुशियाँ ही रहती हैं। वहाँ न दुख होता है, न रोना, न शोर। लेकिन धरती की सुंदरता की बातें परियाँ अक्सर सुना करती थीं। इस बार उन्होंने सोचा, 'चलो धरती की सैर करें!'

वे सातों परियाँ धरती पर उतर आईं। जैसे ही उन्होंने धरती को देखा, वे हैरान रह गईं। चारों तरफ हरियाली थी। बड़े-बड़े पेड़, रंग-बिरंगे फूलों से सजे बाग, कल-कल करते झरने, नीला आसमान, पहाड़ों की चोटियाँ, और खुले खेतों में लहराते सोने जैसे गेहूँ-धरती सचमुच बहुत सुंदर थी!

जहाँ भी उनकी नजर पड़ी, उन्हें कुछ नया, कुछ अनोखा देखने को मिला। पशु कूदते-फाँदते इधर-उधर दौड़ रहे थे, पक्षी मधुर गीत गा रहे थे, और आसमान में बादल धीरे-धीरे उड़ रहे थे।

परियों को सबसे ज्यादा सुंदर लगा एक बगीचा। वहाँ के फूल इतने रंगीन और खुशबूदार थे कि परियाँ उन्हें देखते ही रह गईं। उनके चारों ओर रंग-बिरंगी तितलियाँ उड़ रही थीं। उन तितलियों को देखकर परियों का भी खेलने का मन हो गया।

परियों ने एक जादू किया और खुद को तितलियों में बदल लिया। अब वे भी रंग-बिरंगी पंखों वाली तितलियाँ बन चुकी थीं-कोई नीली, कोई लाल, कोई पीली, कोई हरी! वे फूलों पर बैठतीं, फिर उड़ जातीं, कभी गुनगुनातीं, कभी झूले जैसी पत्तियों पर झूल जातीं।

हर दिन वे उस बगीचे में आकर तितलियाँ बन जातीं और खेलती रहतीं। यह उनका रोज का काम बन गया था-धरती पर आओ, तितली बनो, खेलो और गुनगुनाओ।

एक दिन की बात है। बगीचे में एक छोटा सा बच्चा आया, जिसका नाम हरजोध था। वह बहुत प्यारा और जिज्ञासु बच्चा था। वह फूलों के बीच खेल रहा था, तभी उसकी नजर एक खास तितली पर पड़ी। यह वही तितली थी, जो असल में परी थी- सबसे सुंदर, सबसे चमकीले पंखों वाली!

हरजोध ने बिना सोचे समझे झट से उसे पकड़ लिया। तितली-परी को बहुत डर लगा। वह सोचने लगी, 'अगर हरजोध ने मुझे कभी नहीं छोड़ा, तो मैं परियों के देश कैसे लौट पाऊँगी?' पर वो कुछ कह नहीं सकती थी-वो तो अभी तितली के रूप में थी।

-जारी

जहाँ भी उनकी नजर पड़ी, उन्हें कुछ नया, कुछ अनोखा देखने को मिला। पशु कूदते-फाँदते इधर-उधर दौड़ रहे थे, पक्षी मधुर गीत गा रहे थे, और आसमान में बादल धीरे-धीरे उड़ रहे थे।

परियों को सबसे ज्यादा सुंदर लगा एक बगीचा। वहाँ के फूल इतने रंगीन और खुशबूदार थे कि परियाँ उन्हें देखते ही रह गईं। उनके चारों ओर रंग-बिरंगी तितलियाँ उड़ रही थीं। उन तितलियों को देखकर परियों का भी खेलने का मन हो गया...

• रोचक...

ऑर्बिट स्लूपिंग

ऑर्बिट स्लूपिंग या इन-ऑर्बिट सर्विलांस ऐसी तकनीक है जिसमें एक सैटेलाइट जानबूझकर दूसरे सैटेलाइट या अंतरिक्ष स्टेशन के पास जाकर उसकी गतिविधियों की निगरानी करता है। आम सैटेलाइट पृथ्वी की तस्वीरें लेते हैं, लेकिन इस तकनीक में लक्ष्य अंतरिक्ष में मौजूद दूसरी वस्तुएं होती हैं। इसका मकसद सिर्फ तस्वीर लेना नहीं, बल्कि यह समझना भी होता है कि दूसरा सैटेलाइट क्या कर रहा है, उसकी बनावट कैसी है और वह किस तरह काम कर रहा है। इसे स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस का हिस्सा माना जाता है, यानी अंतरिक्ष में क्या हो रहा है इसकी सटीक जानकारी रखना। आज भारत के 50 से ज्यादा सैटेलाइट अलग-अलग कक्षाओं में काम कर रहे हैं और उनकी कुल कीमत हजारों करोड़ रुपये है। ऐसे में अंतरिक्ष में मौजूद अपने एसेट्स की सुरक्षा बेहद जरूरी हो जाती है। ऑर्बिट स्लूपिंग जैसी तकनीक से यह पता लगाया जा सकता है कि कोई विदेशी सैटेलाइट भारतीय सैटेलाइट के पास तो नहीं आ रहा या उसकी गतिविधियां संदिग्ध तो नहीं हैं. यह मिसाइल ट्रैकिंग और संभावित खतरे की पहचान में भी मदद कर सकती है।

• दूध उत्पादक...

भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। यहां हर साल लाखों टन दूध और उससे बने उत्पाद तैयार किए जाते हैं। मजबूत दुग्ध उत्पादन व्यवस्था, कोऑपरेटिव मॉडल और बढ़ती प्रोसेसिंग क्षमता की वजह से भारत अब सिर्फ घरेलू जरूरतें ही नहीं, बल्कि विदेशी मांग भी पूरी कर रहा है। खासतौर पर घी, मक्खन और मिल्क पाउडर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी मांग है। भारत के डेयरी उत्पादों के सबसे बड़े खरीदार मुख्य रूप से मध्य पूर्व और एशिया के देश हैं। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और ओमान जैसे देशों में भारतीय घी की खास पहचान है।